6172

नं० ७७४-क
दान लीला
काव्य (हिंदी)

दा
१

ॐ श्रीगणेशायनमः॥ अथ दानलीला लिष्यते॥ दोहा॥ ग्वालसषेतहंजा येहज्यांहांबसैब्रजराज॥ गौरसविच्यतह तिमिलै॥ एकपंथइकाज॥ चौपाई॥ प्र भमहरणब्रह्मलषअषेडा॥ ज्यांगेरोमकोटब्र

ल्हुआ॥ जबह्मरगुणबालकरूप॥ म
थुरामेंवृंदाबनआई॥ जहांदेवलो-
कमुनिजेतेतहांगोपीग्वालनतेते॥ देव
कीहुतनामधरायोवसुदेवहिरू-
पदिषायो॥ तबगोकुलइछाकेनी

दा
२

वसुदेवहिप्रात्तादेनी ॥ नबनंदन
भवनपुङेचाई ॥ जहांनेदकेलाल
कहाई ॥ छंद ॥ जन्मलीयोवसुदेव
कीबालकभप ॥ छुपनकोटजडवंस
मायाजुथगोपीबालकी ॥ श्रीकृस्न

2

किसंगबऊतबालक॥गोवांचराव
नबनगए॥ हरषिगावैदानलीला
हनहजनकानदे॥चौपाई॥सबग्वा
रचारकीब्रजनारीदषिगेरसबिवन
हारी॥मिलेजोथमतोसबकोकाज

दा
१
3

मुनातटमारगालीक्रा॥आगेमोहन
धेनुचरावै॥बृंदावनबेनबजावै॥जा
हेबाटसभनकीसोईमुरलीसुनआ
नंदहोई॥सबघाटऊपरवलिआपप
हिचानलिपजउगप॥पकबालका

कहतपुकारि॥तोहिसूकतनाहि
वारी॥छंद॥तोहिहकतनाहीगुवार
गूजरी॥कसठाऊरघाटके॥आपका
नहीकरङ्बिनती॥अजङहैबाघ
मातके॥हदेहनीगरमम्वालनीक

दा
ध

सखाडिकहांचली ॥ दानदेङनवेसआ
पनोहरमलेतमहाेमली ॥ चौपाई ॥ ह
निबातसभैसहकानी ॥ हमआजह
नेहरदानी ॥ हमकोनकहांतेआई ॥
हमकाेहरिचीनतनाही ॥ तमगाेऊ

लकीब्रजनारीतमऊवृषभानदुला
री॥तमरीसिरमोरहमारहमहैजम
नाचटमार॥ऊऊदानहमारोलागो
हसिकैमनमोहनमोगे॥छंद॥तीन
लोकमैकौनजानेयाटजमनातीर

दा कोजावतआवतऊंजबनमै॥रहत
य लालअहीरको॥दानदेऊवृषभानंद
८ नीसजसहमसहलिजयै॥नंदकोसु
तजातिहमसेगारबकऊनकीजिप
चौपाई॥तबगवालनसखामिलिये

रे ॥ प्रकामठकीमैतोरी ॥ कोकहा
यडारिदधिकाढे ॥ तबहंदकङ्केदिसि
बाडे ॥ एकगवालनउटीरीमाई ॥ प्रभु
मातमरेतिपलाई ॥ ऊक्रमेगादही
बललीजै प्रभुदानकीरीतिनकीजै

दा ८ तुमखोवोदहीभरपिडा॥पेनावात
नसिनहीकरूवेता॥तुमहोश्रपने
6 मदमातीतबकरिपटवाते॥जबके
मराउसुनिपाईऊ॥बावानेदकोप
कामगैऊ॥जबतुमहिषबरसुनि

पैहो ॥ तुमको उपदेस करौ हो ॥ छंद ॥
सदा जानि पहिपै थम पुरा दान हम
सो किन लियो ॥ दही मो गात छो छु उ
लैभ ॥ तो हता वृषभान की ॥ कै मरा
य के राज मै ॥ प्रभ न ई कीरी तिन की

15

दा
८

जै ॥ नंदकेघरहुंदउपजैउषपरीतन
किजिप ॥ चौपाई ॥ एकग्वालनिकही
ऐसेबाता ॥ हमसिवोलेत्रिभुवननाथा
तुमहतीनलोककमेदीवोहमकोज
निमानवलेवो ॥ हमहीसबदेवपहे

ध्यारायहकौनहैकेसविवाण॥३॥मह
केसयरहोप्रमाना॥तेहिकालकरो
पिसमाना॥४॥भऊप्रसीनभपहैराजा॥
हमऊपरभनाहिनिवाजा॥हठवादन
हमसोकीजै॥हसिदानहमारोदीजे

दा
८

छंद॥ जो कोइ वेद पुराणगावे॥ मनमा
नै सोइ करै॥ पादीन बल हीन जो त
रकं सकोउ रमोडरै॥ द ही गोरस कौन
बूमै देषि श्राभरन आपनो॥ लाल हीए
रत्नलागे मनमानिक मोतीछनो॥

चौपई ॥ कितमोतिनमांगविराजै ॥
कितपायननूपुरछाजै ॥ कितकंठर
तनकीमाला ॥ हीरामोतीगुथीहैला-
ला ॥ मधुरीकटकंकनमोहै ॥ नकवेस
रमोजगमोहै ॥ सिरबैनीगुथीबड़मों

दा
९
ती॥ताहिलागिरत्नकीपोती॥मन।
मानिककाननडोले॥मपुरीकटकिं
कनबोले॥कितपाटपितांबरराजे।॥
कितषोडसभूषनकामै॥छंद॥देषि
मनहिविचारगवालनी॥ऊंजबन।

केवाटहै ॥ लूटलैसबैग्राभरनको ॥
नतमारेसाथहै ॥ इहमरबकोदान
लागै ॥ हठनकीजैहंदरी ॥ कंसतेहम
डरतनाही ॥ बातहनीसबहिडरी ॥
चौपाई ॥ एककंकनलैजबदीन्हा ।

दा हरिसोंविनतीतबकीन्हा॥ ऊंकोथोरे
१८ बहुतप्रभलीजै॥ अबथोरसबैतऊको
18 जै॥ एकलाईउटीसबमाथौ॥ अबमों
जपरीएहिभांती॥ एकबालतनकरीव
तराप॥ तातेश्रौवटनामकुपाई॥ एक

जापक्रसमेभाषा ॥ प्रश्ननावकहे
कउएषा ॥ तबक्रसमसबैसमझफवै ॥ प्र
बनावकहेकउपावै ॥ छंद ॥ प्रौघट
घाटगंभीरजमुना ॥ एतिकोपंथकौन
चली ॥ बागसिंचवटपारबनमेकौन

दा
११

हमसैकहहमले॥कूटीमायामोहप
रिजनहपनाहैदिनवारको॥कोऊ
कोऊकेसंग्रनाहीप्रेतदेषिविचारको
चौपाई॥ हनिबातसबैमनमाना॥या
गजीवनकरजगजाना॥हमहैसव

परमअभागेनहिकमलचरणअनु
रागी॥एतजीवनधनपरिवारा॥तुम
हुप्रभनाथहमारा॥अबचरणसरण
प्रभलीजै॥तनमनकरनोप्रभलीजै
अबातिपरीअंपियारी॥जनिक्काडिप

दा ११ राउमदारी ॥ केदा ॥ जन्महमारोसुफल
कीजै ॥ हमसहरकेसरनिपरे ॥ ऊलकी
12 लाजग्वारगवालनीजन्मजन्मसेवा
करे ॥ मोहनसंगहिलिमिलिदीपर
मानिकमनिबरे ॥ श्रीकमराया ॥ ॥

ज्यगवालनी॥ कुंजबनक्रीडाकरे

चौपाई॥ जहंरासमंडलप्रगटाना सब

गोपीयनकीमनमाना॥ कोऊगंय

धूपलेआवै॥ कोइक्षनिआरतीमेंग

लगावै॥ कोऊतालमृदंगबजावै॥

दा जहांराधापानखिलावै॥कोईमस्ता-
१९ कवामरखावै॥तहांराधाकिसोरकि-
सोरी॥दोईकृस्नराधाकिजोरी॥छंद॥
जहांराजैंइकरसप्रसादपावैजनमज-
नमकेडुखहरे॥जनरागावैदानली॥ ॥

ला॥ हनै श्रहचितलावही॥ सोवि-
सलोकसीदावही॥ कोटिजनमह-
फलपावही॥ इति श्रीदानलीलासमाप्तं

शुभम्

१·५

